एस.एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति के सजग प्रहरी

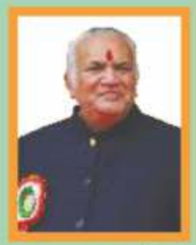

नवरत्न कोठारी
अध्यक्ष

रमेश चन्द्र जैन
उपाध्यक्ष

सुमेर सिंह बोथरा
मानद् मंत्री

विनोद लोढ़ा
सह मंत्री

श्री एस.एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति के अन्तर्गत संचालित संस्थाऐं

एस.एस. जैन सुबोध कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेन्स, सीतापुरा	2015
एस.एस. जैन सुबोध बॉयज हॉस्टल, मानसरोवर	2014
एस.एस. जैन सुबोध मैनेजमेन्ट इन्स्टीट्यूट, मानसरोवर	2012
एस.एस. जैन सुबोध लॉ कॉलेज, मानसरोवर	2011
एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज वीमेन्स हॉस्टल, सांगानेर	2008
एस.एस. जैन सुबोध महिला छात्रावास, सांगानेर	2005
एस.एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सांगानेर	2005
एस.एस. जैन सुबोध गर्ल्स कॉलेज, सांगानेर	2004
सुबोध पब्लिक स्कूल, सांगानेर	2004
एस.एस. जैन सुबोध एम.सी.ए. इन्स्टीट्यूट, रामबाग सर्किल	2003
एस.आई.आई.टी., रामबाग सर्किल	2000
एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. महिला महाविद्यालय, रामबाग सर्किल	1999
सुबोध इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट एण्ड कॅरियर स्टडीज, रामबाग सर्किल	1999
सुबोध पब्लिक स्कूल, रामबाग सर्किल	1985
एस.एस. जैन सुबोध कॉमर्स एण्ड आर्ट्स कॉलेज, रामबाग सर्किल	1976
स्व. श्री सिरहमल बम्ब समृति उद्योगशाला, रामबाग सर्किल	1975
एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज, रामबाग सर्किल	1954
एस.एस. जैन सुबोध उच्च मा. विद्यालय, बापू बाजार	1925
एस.एस. जैन सुबोध बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल, सांगानेरी गेट	1918

एस.एस.जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

Minority Institution Approved by NCTE and Govt. of Rajasthan,
Affiliated to University of Rajasthan Accredited by NAAC - UGC-2f
PNOC by State Govt. and University of Rajasthan

"दिग्दर्शिका" – 2021–23

फोन : 0141–2794216, 2791864, फैक्स नं. : 0141–2794217
subodhttcollegejaipur@yahoo.com www.subodhttcollege.com

णमोकार महामंत्र

णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं
णमो आयरियाणं, णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं
एसो पंच णमोक्कारो, सव्व-पावप्पणासणों।
मंगलाणं च सव्वेसिं पढ़मं हवइ मंगलम् ॥

सरस्वती वन्दना

वर दे, वीणा वादिनी वर दे।
प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव
भारत में भर दे ... ...
काठ अन्ध-उर के बन्धन-स्तर
बहा जननि ज्योर्तिमय निर्झर
कलुष-भेद तम-हर प्रकाश कर,
जगमग जग कर दे।
वीणा वादिनी ... ...
नवगति, नवलय, ताल-छन्द नव,
नवल कंठ, नव जलद-मंत्रनव,
नव नभ के नव विहग-वृन्द को,
नव पर नव स्वर दे।
वीणावदिनी ... ...

राष्ट्रगीत

वन्दे मातरम्, वन्दे मातरम्
सुजलां, सुफलाम्, मलयज-शीतलाम्,
शस्य-श्यामलाम् मातरम् वन्दे मातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनीम्।
फुल्ल कुसुमित, द्रुमदल शोभिनीम्
सुहासिनीं, सुमधुर भाषिणीम,
सुखदां, वरदां मातरम् वन्दे मातरम्

सप्त कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
द्विसप्त, कोटि भुजै, धृत-खर करवाले,
अबला केन मा बले, बहुबल धारिणीं
नमामि तारिणीं रिपुदल वारिणीं
मातरम् वन्दे मातरम्

राष्ट्रगान

जनगण मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता
पंजाब सिन्ध गुजरात मराठा
द्राविड, उत्कल, बंग
विंध्य हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभनाम जागे,
तव शुभआशिष मांगे,
गाये तब जय गाथा,
जन गण मंगलदायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय हे।

शपथ

1. शिक्षण मेरा प्यार मेरी आत्मा है।
2. विद्यार्थियों का विकास ही मेरा ध्येय है।
3. औसत विद्यार्थियों को भी महानता की ओर अग्रसर कर सकूँ।
4. मेरा विद्यार्थियों के प्रति व्यवहार हमेशा सहृदयतापूर्ण रहेगा।
5. मेरा जीवन व आचरण विद्यार्थियों के लिए संदेश बनेगा।
6. मैं विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करुँगी और उन्हें प्रबुद्ध नागरिक बनाऊँगी।
7. मैं विद्यार्थियों के साथ धर्म, समुदाय व भाषा के नाम पर कोई भेदभाव नहीं करुँगी।
8. मैं निरन्तर स्वयं का विकास भी करुँगी।
9. अपने विद्यार्थियों की सफलता पर जश्न मनाऊँगी।
10. देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दूँगी।
11. मैं अपने दिमाग में महान विचार भरुँगी और अपने विचारों व कार्यों में पवित्रता रखूँगी।

हमारा लक्ष्य

महाविद्यालय का उद्देश्य
शिक्षिकाओं के मानस में भारतीय
जीवन शैली एवं भारतीय संस्कृति के आधारभूत
मूल्यों एवं आदर्शों को स्थापित करना है तथा
उनके भावी जीवन की आधारशिला को परिष्कृत कर
सुदृढ़ व्यक्तित्व का निर्माण करना है।

प्रशिक्षण काल के दौरान
शिक्षिकाओं में मानवीय व्यवहार, सदाचार,
अनुशासन एवं आत्म विश्वास का सुन्दर समन्वय
कर उनके प्रभावी व्यक्तित्व का निर्माण कर उन्हे आत्मनिर्भर बनाना।

हम अपेक्षा करते है कि हमारे महाविद्यालय की
दहलीज से ऐसी प्रशिक्षित सुबोधिका शिक्षिका प्रतिक्षण
सेवार्थ प्रस्थान करे, जो अपने सद्कार्यों के प्रकाश से
ज्ञानालोक को आलोकित एवं सुरभित करे।

आपकी सफलता ही महाविद्यालय व
सुबोध शिक्षा समिति परिवार की
सफलता होगी।

एस.एस.जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
सांगानेर, जयपुर

हार्दिक शुभकामना

मुझे हार्दिक प्रसन्नता है कि 2005 में सुबोध शिक्षा समिति ने एक कोमल पौधे के रुप में एस.एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का शुभारम्भ किया था। वह आज शिक्षक प्रशिक्षण जगत् में एक वृहद् वृक्ष के रुप में पुष्पित एवं पल्लवित होकर स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय के रुप में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।

वर्तमान में महाविद्यालय में समस्त पाठ्यक्रम Ph.D/M.Ed/बी.एड./डी.एल.एड., बी.ए. बीएड, बी.एस.सी बीएड, रिसर्च सेन्टर संचालित किये जा रहे है इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को जीविकोपार्जन के साथ-साथ श्रेष्ठ एवं कुशल शिक्षक बनाना भी हैं महाविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति का ही परिणाम है कि आज सुबोध की सुरभि सम्पूर्ण समाज को सुवासित कर रही है।

महाविद्यालय का उद्देश्य शैक्षिक क्रियाओं के साथ-साथ पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन कर छात्राओं में अन्तर्निहित शक्तियों एवं क्षमताओं को प्रस्फुटित कर पल्लवित एवं विकसित करता है।

मेरा विश्वास है कि महाविद्यालय में सर्व सुविधाओं से युक्त प्राकृतिक, नैसर्गिक वातावरण में प्रशिक्षणार्थी अपने श्रेष्ठ कॅरियर का निर्माण कर श्रेष्ठ समाज एवं आदर्श राष्ट्र की निर्मात्री सिद्ध होगी।

मैं आपके समुज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

नवरत्न कोठारी
अध्यक्ष
एस.एस.जैन सुबोध शिक्षा समिति

हार्दिक शुभकामना

एस.एस.जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2005 में होने के साथ ही सुबोध शिक्षा समिति का चिर स्वप्न साकार हुआ है। राजस्थान शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में यह संस्था शैक्षिक मापदण्डों के अनुरुप आधुनिक सर्वसुविधा युक्त नैसर्गिक वातावरण में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है।

सुबोध शिक्षा समिति का ध्येय विद्यार्थियों को न केवल शिक्षित करना वरन् उनके व्यक्तित्व का सर्वांगींण विकास कर उन्हें एक समाजोपयोगी इकाई के रुप में प्रस्तुत करना है।

महाविद्यालय में सभी विषयों एवं संकाय अनुसार प्रयोगशालायें पूर्णत: सुसज्जित है, जिनका प्रजातांत्रिक वातावरण छात्राओं को नवाचारात्मक , सृजनात्मक, रचनात्मक, अनुसंधानात्मक व वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक है।

महाविद्यालय ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के प्राथमिक / माध्यमिक व उच्च सोपानों पर सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर शिक्षा के विकास और विस्तार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। महाविद्यालय के लिए यह गौरव का विषय है कि यहां से प्रशिक्षित छात्रायें आज गुलाबी नगरी ही नहीं अपितु विभिन्न जिलों / राज्यों के विभिन्न राजकीय व प्रतिष्ठित निजी संस्थानों में ना केवल शिक्षिका के रूप में बल्कि प्राचार्य व सह प्राचार्य के पदों पर भी कार्यरत है। यह प्रशिक्षणालय शिक्षिकाओं की समुन्नति का मार्ग प्रशस्त करें, ऐसी मेरी मंगल कामना है...

सुमेर सिंह बोथरा
मानद् मंत्री
एस.एस.जैन सुबोध शिक्षा समिति

आशीर्वचन

सुबोध शिक्षा समिति व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित कर समाज को एक उत्पादक इकाई के रुप में आदर्श नागरिक देने के लिए कृत संकल्प है। इसी शृंखला में एस.एस.जैन सुबोध बी.एड. महाविद्यालय की स्थापना 2005 में की गई थी। हमारे लिए गौरव का विषय है कि यह संस्था वर्तमान समय में प्रशिक्षण जगत के सभी पाठ्यक्रमों यथा बी.ए.-बी.एड. / बी.एस.सी.-बी. एड. / पी.एच.डी. / एम.एड. / बी.एड. / डी.एल.एड. के नियमित शिक्षण के साथ-साथ सफलता के सोपानों की ओर अग्रसर हो रही है। जो देश के भावी कर्णधारों की भविष्य निर्मात्री है।

प्रतिस्पर्धा के इस युग में महाविद्यालय का उद्देश्य शिक्षण प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं पर आधारित विषय वस्तु को विद्यार्थियों तक सरल एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत करना भी है। उसी का परिणाम है कि महाविद्यालय की छात्रायें अपने शिक्षक प्रशिक्षण कोर्स के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने हेतु आवश्यक योग्यताऐं जैसे- एम.एड., बी.एड. बी.एस. टी.सी. के साथ-साथ रीट, नेट, प्रथम-द्वितीय व तृतीय श्रेणी व्याख्याता पदों हेतु तैयारी कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग प्रदान कर रही हैं।

हमारा संकल्प है कि गुणवत्ता आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रम का संचालन कर समाज के लिए जागरुक, सशक्त एवं आत्मनिर्भर युवा पीढ़ी का निर्माण कर वैश्वीकरण के इस युग में सुन्दर सभ्य एवं सशक्त समाज का निर्माण कर सके।

विनोद लोढ़ा
सहमंत्री
एस.एस.जैन सुबोध शिक्षा समिति

हार्दिक शुभकामना

मेरी बात...

यह मेरे लिए अपार हर्ष की बात है कि आपने अध्ययन हेतु अनेक शिक्षण संस्थाओं के कुशल संचालन करने वाली एस. एस. जैन सुबोध शिक्षा समिति द्वारा संचालित इस महाविद्यालय का चयन किया है। मै सुबोध परिवार में आपका स्वागत करती हूँ। हमारा सदैव यह प्रयास रहा है कि हमारे महाविद्यालय में श्रेष्ठ व नवाचार प्रणाली द्वारा उच्च स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराई जाये।

हमारी इसी सजगता से शिक्षा जगत में हमारी संस्था ने एक अलग पहचान बनाई है। वर्तमान में राजस्थान सरकार व राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा स्थाई मान्यता प्राप्त बी. एड़ व एम.एड़ पाठ्यक्रम का संचालन कर रही है। हमारे लिए गौरव का विषय है कि शिक्षक प्रशिक्षण से सम्बन्धित पाठ्यक्रम यथा पी.एच.डी., एम.एड़, बी.एड़, साथ-साथ ही डी.एल.एड़ 4 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम बी.ए.-बी.एड़, बी.ए.सी.-बी.एड व रिसर्च सेन्टर में अनुसंधान सम्बन्धी कार्यों का संचालन भी करवाया जा रहा है।

हमारे महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा है जो हमारी जागरुकता व अध्ययन प्रणाली की श्रेष्ठता को दर्शाता है। शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट सेवा प्रदान करते हुए हम स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं।

प्रशिक्षणावधि के दौरान हमारे अनुभवी व प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा आपके व्यक्तित्व निखार व शिक्षा के उद्देश्य को पूरा करने हेतु पूर्णत: निष्ठा व प्रतिबद्धता रखते हैं।

हम आपको विश्वास दिलाते है, कि आपका भविष्य सुरक्षित हाथों में हैं और हम उच्च शिक्षा व संस्कारों के माध्यम से आपके भविष्य निर्माण की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। हम आपके और आपके अभिभावकों के आभारी होगें, यदि आप हमें बहुमूल्य समय में से कुछ समय निकाल कर हमारी अध्ययन प्रणाली की समीक्षा करते हुये, हमें वास्तविकता से अवगत कराते रहेंगे।

आपकी यह प्रतिपुष्टि ही हमें बेहतर शिक्षा की ओर सतत् अग्रसर रखेगी और हम अधिक सुविधायें व सुखद परिणाम देने में समर्थ होंगे।

आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना के साथ...

श्रीमती मधु मोदी
संयोजिका

प्राचार्य की कलम से...

महिला शिक्षा के उन्नयन एवं विकास के लिये समर्पित एस. एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का सदस्य बनने का गौरव जो आपने श्रेष्ठता के आधार पर हासिल किया है उसके लिये मैं सुबोध परिवार की ओर से आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करती हूँ।

एस.एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की स्थापना सुबोध शिक्षा समिति द्वारा 2005 में सांगानेर परिसर में (50832 वर्ग मी. के क्षेत्र में) प्राकृतिक नैसर्गिक वातावरण में बी.एड. पाठ्यक्रम (100 सीट) के रूप में की गई।

वर्तमान में महाविद्यालय में पी.एचडी. पाठ्यक्रम (50 विद्यार्थी), एम.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (50 विद्यार्थी), बी.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (200 विद्यार्थी), डी.एल.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (50 विद्यार्थी), बी.एससी. बी.एड. (50 विद्यार्थी),बी.ए. बी.एड. (50विद्यार्थी) पाठ्यकम संचालित है।

एन.सी.टी.ई. व राजस्थान विश्वविद्यालय के नियमानुसार एम.एड., बी.एड., बी.एस.सी.-बी.एड़, बी.ए.-बी.एड., पाठ्यक्रम हेतु कुल स्टाफ सदस्यों (41) सदस्यों में से 35 अनुमोदित है जिनमें में से 27 पी.एच.डी. व 18 नेट योग्यताधारी के अतिरिक्त 6 व्याख्यातागण पी.एचडी. शोधकार्य हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों में पंजीकृत हो चुके है।

महाविद्यालय में सभी विषयों एवं संकाय अनुसार प्रयोगशालायें पूर्णत: सुसज्जित है

यह महाविद्यालय गुलाबी नगरी की उन कतिपय संस्थाओं में से एक है जो निष्ठापूर्वक छात्राध्यापिकाओं में ज्ञान ज्योति प्रज्ज्वलित कर, उनमें सेवा भावना, प्रेम, करुणा, त्याग कर्तव्यपरायणता, निष्ठा जैसे गुरुत्तर गुणों को विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है। यह अपार हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय शिक्षक प्रशिक्षण जगत् में अपनी विशिष्ट पहचान कायम करते हुये आधुनिक समाज की मांग एवं आवश्यकतानुसार अध्यापकोचित गुणों से परिपूर्ण शिक्षिकायें समाज को प्रदान कर विकास एवं सफलता के सोपानों की ओर तेजी से अग्रसर हो रहा हैं।

सफलता का शिखर छूने वाले सभी व्यक्ति दृढ़ इच्छा शक्ति एवं लक्ष्योन्मुख व्यक्तित्व के धनी होते हैं। हम महाविद्यालय में ऐसा शैक्षिक एवं सामाजिक वातावरण उपलब्ध करवाने के लिये कृतसंकल्प है जो आपको अपने लक्ष्य की दिशा में अग्रणी बनाता है। महाविद्यालय के प्राकृतिक तथा नैसर्गिक वातावरण में शिक्षा के मूल लक्ष्य सर्वांगीण विकास को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है।

मैं आपसे इस संकल्प एवं विश्वास पर खरा उतरने के लिये यह अपेक्षा करती हूँ कि आप इस संस्था के स्वच्छ नैसर्गिक, शैक्षिक वातावरण में रहते हुये अनुशासित, सुसंस्कृत, मृदुभाषी, आदर-सत्कार की भावना से ओतप्रोत गुणों को आत्मसात् कर एवं अनुकरणीय परम्पराओं एवं उच्च आदर्शों द्वारा भावी पीढ़ी का उज्ज्वल मार्गदर्शन करेगी। आपके प्रयास एवं संकल्प सफलता के शिखर की ओर अनवरत अग्रसर हो, इस शुभकामना के साथ।

प्राचार्य
डॉ. (श्रीमती) यदु शर्मा

महाविद्यालय विकास यात्रा

एस.एस. जैन सुबोध महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की स्थापना सुबोध शिक्षा समिति द्वारा 2005 में सांगानेर परिसर में (50832 वर्ग मी. के क्षेत्र में) प्राकृतिक नैसर्गिक वातावरण में बी.एड. पाठ्यक्रम (100 सीट) के रूप में की गई। सुबोध शिक्षा समिति के लक्ष्यों के अनुरूप शैक्षिक व व्यावसायिक उत्कृष्टता व गुणवत्ता के आधार पर महाविद्यालय शिक्षा के उन्नयन एवं विकास हेतु दृढ संकल्पित संस्था वर्तमान में गुलाबी नगरी की सर्वश्रेष्ठ संस्था के रूप में अपनी सेवाऐं प्रदान कर रही है। हमारे लिए यह गौरव व हर्ष का विषय है कि वर्तमान में राजस्थान सरकार व राजस्थान विश्वविद्यालयों द्वारा महाविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की श्रृंखला में एम.एड. व बी.एड. पाठ्यक्रमों को स्थाई मान्यता, 2-F, NAAC, अल्पसंख्यक संस्था का दर्जा एवं रिसर्च सेन्टर के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान कायम किये हुऐ है।

वर्तमान में महाविद्यालय में पी.एचडी. पाठ्यक्रम (50 विद्यार्थी), एम.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (50 विद्यार्थी), बी.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (200 विद्यार्थी), डी.एल.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (50 विद्यार्थी), बी.एससी. बी.एड. (50 विद्यार्थी),बी.ए. बी.एड. (50विद्यार्थी) पाठ्यक्रम संचालित है। जिसके आधार पर महाविद्यालय परिसर में 800 शिक्षक–प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर लाभान्वित हो रहे हैं। साथ ही महाविद्यालय में वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा द्वारा सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु स्थाई अध्ययन केन्द्र संचालित किया जा रहा है जिसमें प्राचार्या मुख्य समन्वयक के रूप में कार्य कर रही है। संस्था के द्वारा शैक्षिक मानदण्डों के अनुरूप गुणवत्ता आधारित कार्य किए जाने का परिणाम है कि राज्य सरकार द्वारा एन.आई.ओ.एस., डी.एल.एड. कोर्स हेतु महाविद्यालय का चयन किया गया है जिसमें 200 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

महाविद्यालय में वर्तमान में NCTE राजस्थान विश्वविद्यालय के नियमानुसार एम.एड. एवं बी.एड., बी.एससी.बी.एड़, बी.ए. बी.एड., पाठ्यक्रम हेतु कुल स्टाफ सदस्यों (41) सदस्यों में से 35 अनुमोदित है जिनमें में से 27 पी.एच.डी. व 18 नेट योग्यताधारी के अतिरिक्त 6 व्याख्यातागण पी.एचडी. शोधकार्य हेतु विभिन्न विश्वविद्यालयों में पंजीकृत हो चुके है। संस्था के लिए यह गौरव का विषय है कि महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. (श्रीमती) यदु शर्मा पूर्व डीन (शिक्षा संकाय) राजस्थान विश्वविद्यालय के रूप में 24 जनवरी 2017 से 2020 तक रही है। इसके अतिरिक्त 2015–2018 तक बी.ओ.एस. संयोजिका (शिक्षा संकाय) के रूप में बी.ए. बी.एड., बी.एससी.बी.एड., बी.एड., एम.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम निर्माण व सम्पूर्ण परीक्षा का कार्य कुशलता पूर्वक सम्पादित कर चुकी है व राजस्थान विश्वविद्यालय में रिसर्च गाइड भी है तथा इनके सानिध्य में सात शोधार्थियों को पी.एच.डी. अवार्ड हो चुकी है। गत 27 वर्षों से स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षण व अनुसंधान का कार्य कर रही है।

महाविद्यालय में पूर्णतः कम्प्यूटराईज्ड डेलनेट सुविधायुक्त पुस्तकालय की व्यवस्था है, महाविद्यालय में कला, विज्ञान, गणित, वाणिज्य के विद्यार्थियों हेतु विषय आधारित प्रयोगशालाएं जैसे सामाजिक अध्ययन प्रयोगशाला, भाषा प्रयोगशाला, विज्ञान प्रयोगशाला, गणित एवं भौतिक प्रयोगशाला, गृह–विज्ञान प्रयोगशाला के साथ–साथ मनोविज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्यूटर लैब वाई–फाई कनेक्शन युक्त, शैक्षिक तकनीकी प्रयोगशाला एवं स्मार्ट क्लास रूम एवं सेमिनार हॉल की व्यवस्था है।

प्रतिस्पर्धा के इस युग में छात्राओं को शिक्षण अधिगम प्रकिया के तहत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रमानुसार ही वस्तुनिष्ठ आधार पर भी तैयार करवायें जाने का प्रयास निरन्तर किया जा रहा है, उसका परिणाम है कि महाविद्यालय से प्रशिक्षित छात्राऐं रीट, नेट, प्रथम, द्वितीय, तृतीय श्रेणी शिक्षक आदि प्रतियोगी परिक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। इसके अतिरिक्त बी.एड. इन्टर्नशिप (शिक्षण अभ्यास) करने वाली छात्राध्यापिकाओं को सरकारी विद्यालयों में नवाचार आधारित शिक्षण करने एवं नवीन विधियाँ प्रयुक्त करते हुए प्रभावी अध्यापन कार्य करवाने हेतु 26 जनवरी, 15 अगस्त को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है जिससे सुबोध की सुरभि सम्पूर्ण समाज में प्रवाहित हो रही है।

प्रवेश पात्रता

परीक्षा आयोजन

प्रतिवर्ष महाविद्यालय में एम.एड. में प्रवेश राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा पी.एम.ई.टी., बी.एड. द्विवर्षीय एवं चार वर्षीय बी.एस.सी.-बी.एड. व बी.ए.-बी.एड. एकीकृत पाठ्यक्रम में राज्य सरकार द्वारा पी.टी.ई.टी. एवं बी.एस.टी.सी. में राज्य सरकार द्वारा प्रवेश पूर्व परीक्षा के आयोजन द्वारा किया जाता है।

आवंटित सीटे

वर्तमान समय में महाविद्यालय में एन.सी.टी.ई, राजस्थान सरकार व राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु सीट आवंटन निम्न प्रकार से है

क्र.सं.	पाठ्यक्रम	अवधि	यूनिट	सीट	कुल
1.	डी.एल.एड	2 वर्ष	1	50	100
2.	बी.एड.	2 वर्ष	4	200	400
3.	एम.एड.	2 वर्ष	1	50	100
4.	बी.ए.-बी.एड.	4 वर्ष	1	50	50
5.	बी.एस.सी.-बी.एड.	4 वर्ष	1	50	50
6	रिसर्च सेन्टर (Ph.D)	3 वर्ष	1	50	50

शिक्षण शुल्क

डी.एल.एड./बी.एड./ एम.एड./ बी.एस.सी.-बी.एड. / बी.ए.-बी.एड. पाठ्यक्रम हेतु शिक्षण शुल्क राज्य सरकार के नियमानुसार लिया जाता है, छात्रावास शुल्क सुबोध शिक्षा समिति के नियमानुसार लिया जाता है।

कार्य दिवस

राज्य सरकार/राजस्थान विश्वविद्यालय / एन.सी.टी.ई. के नियमानुसार महाविद्यालय में डी.एल.एड/ बी.एड. / एम.एड./ बी.एस.सी.-बी.एड. / बी.ए.-बी.एड. पाठ्यक्रम की सीटों के सभी प्रवेश होने के पश्चात् 200 कार्य दिवस अनिवार्य है।

महाविद्यालय की आचार संहिता

1. प्रत्येक छात्रा को प्रार्थना-सभा से 5 मिनट पूर्व महाविद्यालय में उपस्थित होना होगा। छात्राओं को समाचार व सुविचार रजिस्टर नं. के अनुसार बोलना होता है। जो छात्रा समय पर प्रार्थना सभा में उपस्थित नहीं होगी तथा समाचार व सुविचार नहीं बोलेगी उसे लगातार तीन दिन समाचार व सुविचार बोलना होगा।
2. महाविद्यालय में छात्राओं को किसी प्रकार का अर्द्ध अवकाश व दीर्घकालिक अवकाश देय नहीं होगा। तीन दिन पश्चात् स्वत : नाम काट दिया जायेगा।
3. प्रायोगिक अभ्यास पाठ के समय छात्रा को किसी परिस्थिति में अवकाश देय नहीं होगा।
4. प्रत्येक छात्रा को अनुशासन में रहना होगा। यदि कोई छात्रा अनुशासनहीनता करती है तो उसको अनुशासन समिति का निर्णय मानना होगा। अध्यापक प्रशिक्षण के इस कार्यक्रम में सभी प्रशिक्षणार्थियों के पारस्परिक व्यवहार में स्नेह, आत्मीयता तथा सम्मान का भाव रहना चाहिये।
5. यदि किसी छात्रा का व्यवहार महाविद्यालय प्रांगण में या बाहर कही भी ऐसा हो जिससे महाविद्यालय की गरिमा व उसकी साख को क्षति पहुँचे तो प्राचार्य व अनुशासन समिति को इसका पूर्ण अधिकार होगा कि वह उस छात्रा को महाविद्यालय से निष्कासित कर दे।
6. छात्रा को प्रतिदिन महाविद्यालय के सूचना पट्ट को अवश्य देखते रहना चाहिये क्योंकि कार्यालय किसी भी अनभिज्ञता को मान्यता नहीं देगा।
7. छात्रा को प्राध्यापक वर्ग के प्रति उचित सम्मान तथा महाविद्यालय के कर्मचारियो व पुस्तकालयाध्यक्ष के समक्ष सद्व्यवहार से रहना होगा।
8. महाविद्यालय में प्रवेश के समय अथवा बाद में जमा कराये शुल्क की राशि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नोडल एजेन्सियों के नियमों अनुसार किसी भी परिस्थिति में वापस लौटायी नहीं जायेगी।
9. महाविद्यालय में 19 सदन होगें प्रत्येक विद्यार्थी किसी सदन का सदस्य होगा व उसको सदन के प्रभारी के निर्देशन के अन्तर्गत नियमों का पालन करना आवश्यक होगा।
10. बी.एड. पाठ्यक्रम एक पूर्णकालिक पाठ्यचर्या है। इसके दौरान किसी भी विद्यार्थी को कहीं अन्यत्र पूर्णकालिक या अंशकालिक सेवारत रहने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
11. जो छात्रायें सेवारत है, उन्हें प्रवेश होने के तुरन्त बाद रिलीव होकर आना होगा।
12. शिक्षण विषय महाविद्यालय की सुविधा के अनुसार विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् के नियमानुसार देय होंगे।
13. प्रशिक्षणार्थियों को अपना परिचय-पत्र सदा ही अपने पास रखना चाहिये।
14. महाविद्यालय की कोई भी छात्रा महाविद्यालय में आयोजित होने वाले साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों व अन्य उत्सवों पर अपने मित्र को प्राचार्य की अनुमति के बिना आमंत्रित नहीं कर सकती और न ही छात्राओं को सामूहिक व वनविहार के कार्यक्रम में अपने साथ ले जा सकती है।
15. राजस्थान विश्वविद्यालय के अतिरिक्त किसी अन्य विश्वविद्यालय से आये अन्तिम उपाधिधारियों को सम्बन्धित विश्वविद्यालय का प्रोविजन (माइग्रेशन) प्रमाण-पत्र प्राप्त कर नियमानुसार महाविद्यालय में जमा कराने का दायित्व प्रशिक्षणार्थियों का होगा।

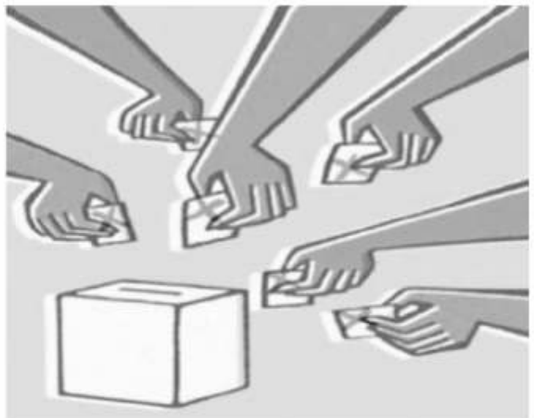

उपस्थिति नियम

1. महाविद्यालय में प्रत्येक छात्रा को अवकाश हेतु पूर्व सूचना सम्बन्धित प्रभारी को देना आवश्यक है। इसके विपरीत आचरण होने पर अनुशासनहीनता मानी जायेगी तथा महाविद्यालय किसी प्रकार का आधे दिन का अवकाश देय नहीं होगा।
2. किसी भी प्रशिक्षणार्थी के बिना पूर्व अवकाश स्वीकृत कराये/बिना सूचना दिये लगातार अनुपस्थित रहने पर महाविद्यालय से उनका नाम निरस्त कर दिया जायेगा। प्राचार्य तथा अनुशासन समिति द्वारा अनुपस्थिति के कारण के बारे में संतुष्ट होने के बाद ही पुन: प्रवेश की अनुमति दी जायेगी। ऐसी अनुमति एक बार से अधिक नहीं दी जायेगी। पुन: प्रवेश महाविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क जमा कराने पर ही मिलेगा।
3. महाविद्यालय का समय प्रात: 9:00 से अपराह्न 3:30 निर्धारित है निर्धारित समय से निरन्तर तीन दिन तक विलम्ब होने पर छात्राध्यापिका के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। महाविद्यालय की सुविधानुसार समय में परिवर्तन संभव है।
4. सभी प्रशिक्षणार्थियों को महाविद्यालय की दैनिक प्रार्थना से लेकर अपने समस्त शिक्षण कालांशो में उपस्थित रहना अनिवार्य है, विपरीत आचरण होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
5. विद्यार्थी अपनी उपस्थिति को जानने के लिये स्वयं उत्तरदायी होगा उसे प्रतिमाह संबधित प्राध्यापक से अपनी उपस्थिति की जानकारी ले लेनी चाहिये।
6. छात्राध्यापिका को व्यक्तिगत रुप से प्राचार्य से मिलने के लिए समय सीमा की आवश्कयता नहीं है आप अपनी किसी की शंका का समाधान तुरन्त प्राप्त कर सकते है।
7. महाविद्यालय द्वारा आयोजित सभी पाठ्यसहगामी क्रियाये यथा श्रमदान, शैक्षिक भ्रमण, प्रतिभा खोज, अन्तर्सदनीय प्रतियोगिता एस.यू.पी. डब्ल्यू शिविर आदि में उपस्थिति न होने पर अंको के लाभ से आप स्वत: ही वंचित हो जायेगें।
8. महाविद्यालय में प्रति माह सदन की मीटिंग में छात्राध्यापिकाओं की उपस्थिति अनिवार्य है।
9. छात्राओं में नियमित उपस्थिति एवं स्वअनुशासन की प्रेरणा विकसित करने हेतु महाविद्यालय में किसी भी प्रकार के दण्ड का कोई प्रावधान नही है
10. इन्टरर्नशिप सम्बन्धी उपस्थिति राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार लागू होगी।

पुस्तकालय व वाचनालय नियम

(छात्राध्यापिकाओं के लिए)

1. महाविद्यालय से प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को सभी विषयों की पुस्तकें उपलब्ध कराई जायेगी।
2. पुस्तकालय से प्राप्त पुस्तकों को सुरक्षित रखना एवं समय पर लौटाने का दायित्व प्रशिक्षणार्थी का हैं।
3. पुस्तकालय से पुस्तक प्राप्त करते समय ही प्रशिक्षणार्थियों को पुस्तक की देखभाल कर लेनी चाहिये। लौटाते समय यदि पुस्तक का कोई अंश खराब स्थिति में अथवा फटा हुआ पाया गया तो पुस्तक का मूल्य जमा करना होगा।
4. महाविद्यालय पुस्तकालय में उपलब्ध सन्दर्भ पुस्तकें, ग्रन्थ एवं पत्र-पत्रिकाऐं वहीं बैठकर पढ़ने के लिये उपलब्ध होगी। ऐसी सामग्री को प्रशिक्षणार्थी को घर ले जाकर उपयोग करने की अनुमति नहीं होगी।
5. वाचनालय में स्वाध्याय का वातावरण बनाये रखना चाहिये। स्वाध्याय में बाधा उपस्थित करने वाली छात्राओं को पुस्तकालय से बाहर जाने हेतु आदेश दिया जा सकता है जिसका पालन न करना अनुशासनहीनता समझा जायेगा।
6. जिन प्रशिक्षणार्थियों ने परीक्षा के समय 500 रु. जमा कर पुस्तकें रखी है। वे परीक्षायें समाप्त होने के 15 दिन के अन्दर पुस्तकें जमाकर राशि प्राप्त कर लें। 15 दिन बाद राशि नहीं लौटायी जाएगी।
7. जो विद्यार्थी केवल एक या दो पुस्तकें परीक्षा के समय लेगें उन्हें 100 रु. प्रति पुस्तक के हिसाब से जमा कराने पर पुस्तक उपलब्ध हो सकेगी।
8. महाविद्यालय के प्रवक्ता तथा अन्य कर्मचारी के नाम से पुस्तकें उपलब्ध नहीं होगी। अत: इसके लिए आग्रह करना भी उचित नहीं है।
9. पुस्तकालय में सभी प्रशिक्षणार्थियों हेतु सशुल्क विषय वस्तु की प्रतिलिपि सुविधा उपलब्ध है।
10. पुस्तकालय में प्रवेश हेतु संबधित रजिस्टर में उल्लेख/उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य है।

महाविद्यालय गणवेश

महाविद्यालय में सभी छात्राध्यापिकाओं को निर्धारित गणवेश में आना अनिवार्य है, अध्यापन अभ्यास के दौरान सभी छात्राध्यापिकाओं को साड़ी में आना अनिवार्य है।

इन्टर्नशिप

राजस्थान सरकार के आदेश पर माध्यमिक शिक्षा द्वारा संचालित बी.एड. व डी.एल.एड. की प्रथम वर्ष तथा बी.ए.-बी.बीएड, बी.एस.सी-बी.एड् तृतीय वर्ष की छात्राध्यापिकाओं को 4 सप्ताह व बी.एड. व डी.एल.एड. की द्वितीय वर्ष तथा बी.ए.-बी.बीएड, बी.एस.सी.-बी.एड् चतुर्थ वर्ष की छात्राध्यापिकाओं को 16 सप्ताह की इन्टर्नशिप पर जाना अनिवार्य है। बी.एड्, डीएलएड, बी.ए.-बी.बीएड, बी.एस.सी.-बी.एड् पाठ्यक्रम में इन्टरशिप कार्यक्रम के पूर्णसमाप्ति पर प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद ही आप अन्तिम प्रायोगिक व सैद्धान्तिक परीक्षा हेतु पात्र होंगे।

प्रयोगशाला एवं रिसोर्स सेन्टर

रसायन एवं जीव विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय में विद्यार्थियों में वैज्ञानिक अभिवृत्ति का विकास कर उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण व अभिक्षमता विकसित करना। जिससे विज्ञान व प्रौद्योगिकी के इस युग में छात्राध्यापिकाओं द्वारा नवीन अनुसंधान नवीन खोजो, नवीन तकनीकों आदि के बारे में अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने की रुचि विकसित की जा सके। एक जागरुक नागरिक के रुप में ऊर्जा संरक्षण, संवर्धन, पर्यावरण जैविक खाद व राष्ट्रीय सुरक्षा सम्बन्धी तकनीको व उपकरणों के बारे में जानकारी प्राप्त करना।

गणित एवं भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय में छात्राध्यापिकाओं में गणितीय तार्किक एवं भौतिकीय अभिक्षमता को विकसित करना जिससे विज्ञान एवं तकनीकी के इस युग में छात्राध्यापिकाओं में बौद्धिक एवं अनुसंधानात्मक रूचि का विकास किया जा सके। विज्ञान की छात्रा के रूप में वैज्ञानिक दृष्टिकोण द्वारा समाज एवं नये भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका का विकास करना।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार के परीक्षणों व उपकरणों से सुसज्जित मनोविज्ञान प्रयोगशाला है, जिसमें एन.सी.टी.ई. नार्म्स के अनुसार व्यक्तित्व मापनी से सम्बन्धि बुद्धि, समायोजन, अभिरूचि, अभिवृति एवं अभिक्षमता सम्बन्धित मापनिया प्रमुख है। इन परीक्षणो व उपकरणों का उपयोग प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अनेक नवीन अनुसंधानों में किया जाता है। मनोविज्ञान विद्यार्थियों के मानसिक स्तर को जानने, समझने, परिमार्जित करने का माध्यम है जो कि अधिगम का आधार है इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक प्रशिक्षणर्थियों को परीक्षणो के प्रशासन, अंकन व विश्लेषण हेतु अभ्यास कराया जाता है।

गृह विज्ञान प्रयोगशाला

गृह विज्ञान की छात्राध्यापिकाओं में पाककला में निपुणता विकसित करने के साथ ही उनमें स्वास्थ्य लाभ हेतु पौष्टिक आहार, की महत्ता को दृष्टिगत रखाते हुए चयन करने की क्षमता विकसित करना। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार सुस्वादिष्ट भोजन को प्रदर्शित करने की दक्षता विकसित करना।

सामाजिक अध्ययन प्रयोगशाला

महाविद्यालय में सामाजिक अध्ययन विषय की सुसज्जित प्रयोगशाला है जिसका उद्देश्य छात्राध्यापिकाओं में शैक्षिक कुशलता विकसित करने हेतु प्रभावी शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करने की क्षमता विकसित करना है। प्रयोगशाला में छात्राध्यापिकाओं द्वारा निर्मित चार्ट, चित्र एवं मॉडल को प्रदर्शित कर नव आगन्तुक छात्राओं को समुचित शिक्षा निर्देशन दिया जाता है। ग्लोब, ग्राफ, मानचित्रों के द्वारा छात्राध्यापिकाओं को हमारे ऐतिहासिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व भौगोलिक स्थिति की जानकारी दी जाती है। प्रयोगशाला के माध्यम से छात्राओं को समाज में होने वाले परिवर्तनों के अनुरुप व्यवस्थाओं से रूबरू किया जाता है। ताकि प्रतिस्पर्धा के इस युग में सामाजिक अध्ययन विषय के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं को स्वयं समझकर समाज में अन्य वर्गो को भी उनके अनुभवों से लाभान्वित कर सकें। हमारा लक्ष्य विकसित, आत्मनिर्भर राष्ट्र को दृष्टिगत रखाते हुए राष्ट्रीय योजनाओं यथा स्टार्ट अप योजना, कैशलेस इण्डिया, डिजिटल इण्डिया योजनाओं में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कराना है।

कॉमन रुम :

महाविद्यालय में छात्राध्यापिकाओं के अवकाश समय के सदुपयोग हेतु कॉमन रुम की व्यवस्था की गई है इसका उद्देश्य छात्राध्यापिकाओं के समक्ष ऐसा वातावरण प्रस्तुत करना है जिससे उनमें रचनात्मक, सृजनात्मक, सहयोगात्मक दृष्टिकोण का विकास हो एवं समूह सहकारिता भावना के साथ वह अपने अवकाश के समय का सदुपयोग कर सकें।

निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ

प्रतिस्पर्धा के इस युग में दैनिक जीवन में बढ़ती व्यस्तता के कारण दिन प्रतिदिन जीवन में आने वाली समस्याओं के निराकरण हेतु छात्राध्यापिकाओं के लिए निर्देशन व परामर्श प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है जिसमें अनुभवी एवं प्रशिक्षित प्राध्यापकों द्वारा समस्या ग्रसित छात्राओं से उनकी व्यक्तिगत, पारिवारिक, शैक्षिक एवं व्यावसायिक समस्याओं के सन्दर्भ में वार्तालाप कर उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। गंभीर समस्याओं के सन्दर्भ में कुशल मनोचिकित्सकों व चिकित्सकों से परामर्श कर उन्हे तनावयुक्त जीवन से मुक्त करने का प्रयास संस्था स्तर पर किया जाता है।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

शैक्षिक तकनीकी एवं नवाचार के इस युग में छात्राध्यापिकाओं को सम सामायिक ज्ञान प्राप्त कराने के लिए महाविद्यालय में इन्टरनेट सुविधा युक्त कम्प्यूटर प्रयोगशाला है। जहाँ छात्रध्यापिकाओं को अभ्यास कराने के साथ-साथ उनमें अपने विषय के अनुरुप प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की रुचि एवं जिज्ञासा विकसित की जाती है।

शैक्षिक तकनीकी प्रयोगशाला / ICT रिसोर्स सेन्टर/ स्मार्ट क्लास रुम

महाविद्यालय में सुव्यवस्थित व सुसज्जित तकनीकी प्रयोगशाला व स्मार्ट क्लास रुम है। जिसका उपयोग शिक्षक प्रशिक्षण के क्रिया कलापों में किया जाता है। तकनीकी प्रयोगशाला के शिक्षण उपकरणों का उपयोग छात्राध्यापिका में सूक्ष्म शिक्षण तकनीकी के आधार पर शैक्षिक कुशलताओं एवं दक्षताओं को विकसित कर तुरन्त प्रतिपुष्टि देने हेतु किया जाता है जिससे की विद्यार्थी अभ्यास व प्रायोगिक परीक्षा के दौरान कार्य का बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

खेल कक्ष

महाविद्यालय में छात्राध्यापिकाओं के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए इनडोर एवं आउटडोर खेलो की व्यवस्था व इसके साथ महाविद्यालय में प्रतिवर्ष राज्यस्तरीय, अन्तर्सदनीय एवं अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है,

भाषा प्रयोगशाला

महाविद्यालय में छात्राध्यापिकाओं के भाषायी विकास हेतु भाषा प्रयोगशाला है जहाँ प्रवक्ताओं के द्वारा छात्राओं के उच्चारण व वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियों का परिमार्जन कर अभ्यास करवाया जाता है तथा उनमें अभिव्यक्ति व अर्थग्रहण की कुशलता विकसित की जाती है। इसके अतिरिक्त भाषा के सुदृढ़ीकरण व शिक्षण को प्रभावी बनाने हेतु छात्राध्यापिकाओं में चार्ट, चित्र, मॉडल, पी.पी.टी., पारदर्शियां, फ्लैशकार्ड, आदि बनाने की कुशलता विकसित कराते है।

RRC/NSS Club

समाजिक सरोकारों की श्रृंखला में सत्र 2019–20 से रेड रिबन क्लब की (2 यूनिट) व राष्ट्रीय सेवा योजना की (2 यूनिट) की स्थापना की गई। इन इकाईयों का उद्देश्य छात्राध्यापिकाओं में देश एवं राष्ट्र सेवा का जज्बा जाग्रत कर उनमें सेवा, समर्पण, सहिष्णुता व सहकारिता जैसे मानवीय गुणों को विकसित करना है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संस्था स्तर पर समय–समय पर राष्ट्रीय व सामाजिक पहलुओं से जुडे मुद्दों के आधार पर स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, ब्लड डोनेशन कैम्पों, रैलियों, प्रदर्शनी व नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जाता है।

विद्यार्थी आचार संहिता

- ❒ महाविद्यालय के निर्धारित समय प्रातः 9.00 बजे से पाँच मिनट पूर्व महाविद्यालय गणवेश में उपस्थिति आवश्यक।
- ❒ माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार महाविद्यालय में 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य।
- ❒ शैक्षणिक व पाठ्य सहगामी क्रियाओं में शत प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य।
- ❒ महाविद्यालय सूचना पट्ट का प्रतिदिन अवलोकन करना आवश्यक है।
- ❒ अवकाश हेतु पूर्व स्वीकृति अत्यावश्यक है, अर्द्धअवकाश व दीर्घकालीन अवकाश देय नहीं।
- ❒ प्रशिक्षण के दौरान अन्यत्र सेवारत व अध्यापन करना व्यावसायिक नियमों के प्रतिकूल होने के कारण प्रतिबन्धित।
- ❒ महाविद्यालय परिसर में सभी स्थानों पर गरिमापूर्ण व अनुशासनात्मक व्यवहार अपेक्षित।
- ❒ महाविद्यालय सम्पत्ति की सुरक्षा व स्वच्छता का उत्तरदायित्व।
- ❒ कार्य एवं व्यवहार संस्था की मर्यादा एवं गरिमा के अनुरूप।
- ❒ महाविद्यालय में निर्धारित नियमों की अक्षरशः पालना।

Anti Ragging Committee

College Anti Ragging Committee -
- Principal + 91 9414773690
- Dr. Renu Arora + 91 9460434692
- Smt. Prabha Singh + 91 8385021243
- Smt. Jyoti Gautam + 91 9829342490

HEALTH AND PHYSICAL EDUCATION RESOURCE CENTRE

''स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है'' इस ध्येय वाक्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय में छात्राध्यापिकाओं के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक व आध्यात्मिक पक्ष को विकसित एवं सुदृढ़ करने हेतु स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा संसाधन केन्द्र स्थापित किया गया है जिसमें अनुभवी एवं कुशल प्राध्यापकों द्वारा छात्राओं को मार्गदर्शन दिया जाता है केन्द्र में ध्यान, प्राणायाम, खेलकूद, योग आदि कार्यक्रम आयोजित होते है।

ART AND CRAFT RESOURCE CENTRE

''एक कलाकृति अद्वितीय स्वभाव का अद्वितीय परिणाम है।''

(आस्कर वाइल)

छात्राध्यापिकाओं में सृजनात्मक व सौन्दर्यात्मक दृष्टिकोण विकसित कर उन्हें स्वावलम्बी व आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में हस्तशिल्प कला प्रयोगशाला का निर्माण किया गया है। हस्तशिल्प प्रयोगशाला में छात्राध्यापिकाओं को समस्त ललित कलाओं जैसे संगीत, नाट्य में निपुण एवं पारंगत करने का प्रयास व अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी सामग्री निर्माण, फोटोग्राफी, लेण्डस्केप, रंगोली, माँडना, मेहन्दी, विद्यालय सौन्दर्यीकरण आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष छात्राध्यापिकाओं हेतु SUPW शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसमें सभी छात्राध्यापिकाओं की भागीदारी अनिवार्य है। दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति से सम्बन्धी वस्तुओं का निर्माण कर छात्राओं के सहयोग से प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। जिससे होने वाली आय को छात्राओं के कल्याणकारी कार्यों के लिए खर्च किया जाता है।

सांस्कृतिक झलकियां

सेमीनार और व्याख्यान

सामाजिक सरोकार

पाठ्य सहगामी क्रियाएँ

S.S. JAIN SUBODH MAHILA SHIKSHAK PRASHIKHAN MAHAVIDYALAYA

Airport Road, Sanganer, Jaipur-302011

Academic Activities of Session 2021-23

NAME OF THE MONTH	GROUP WISE ACTIVITIES	ACTIVITIES
July		1. Admission process- Reporting of candidates
August	1. S.U.P.W. 2. Sports 3. Library 4. Community Work 5. EPC I,III 6. Action Research 7. Course wise Weekly Activity (Sat.) 8. Hindi Divas celebration	1. Admission process- Reporting of candidates 2. Talent Search Programme 3. Content based exam 4. 15th August Celebration 5. Janmashtami celeb. 6. Co-Curricular Activities 7. Fresher's Party
September	1. S.U.P.W. 2. Sports 3. Library 4. Community Work 5. EPC II,IV 6. Action Research 7. Course wise Weekly Activity (Sat.) 8. Children day celebration	1. 5 Sept. teachers day celebration 2. Orientation Programme 3. Workshop on Micro teaching & Micro Teaching Practice 4.Theory Classes, computer Practical 5. Guest Lecture 6. Smart class room work shop
October	1. S.U.P.W. 2. Sports 3. Community Work 4. 2nd Oct. Celebration 5. Action Research 6. Course wise Weekly Activity (Sat.) 7. EPC I,III	1. Orientation Based Test (E.L.T.) 2. Theory Classes 3. Per day Practical/Workshop 4. Guidance & Counselling (sadan wise) 5. Dandiya/ diwali Celebration 6. P.T.M.
November	1. S.U.P.W. 2. Sports 3. Library 4. Community Work 5. EPC II,IV 6. Action Research 7. Course wise Weekly Activity (Sat.) 8. Children day celebration	1. Theory Classes 2. Unit test assignment 3. Practice teaching 1st round 4. Subject wise Classes of smart board presentation 5. Computer Practical 6. Co-curricular activities
December	1. S.U.P.W. 2. Sports 3. Library 4. Community Work 5. EPC I,III 6. Action Research 7. Course wise Weekly Activity (Sat.)	1. Theory classes 2. Assignment III 3. Internal Exam 4. Open Air Session 5. Debate on Human Right 6. P.T.M.
January	1. S.U.P.W. 2. Sports 3. Library 4. Community Work 5. EPC II,IV 6. Action Research 7. Course wise Weekly Activity (Sat.)	1. B.Ed. 1st Year Internship 2. Assignment II and I teaching 3. Teaching Practice 2nd round 4. Guidance and Counselling (sadan wise) 5. Republic day celebration 6. Workshop/ Activities 7. Inter house competition sadan wise
February	1. S.U.P.W. 2. Sports 3. Library 4. Community Work 5. EPC I,III 6. Action Research 7. Course wise Weekly Activity (Sat.) 8. 28 feb Science Day	1. Theory Classes 2. National Seminar/workshop 3. Aarohan Intercollege 4. Block Teaching 5. Unit Test II 6. Guidance and counselling sadan wise 7. Assignment II,IV Teaching 8. Teaching Practice 2nd round
March	1. S.U.P.W. workshop 2 Community Work 3. EPC II,IV 4. Action Research 5. Course wise Weekly Activity (Sat.) 6. Fagotasav celebration	1.Theory Classes 2. Workshop and Practical work per day 3. Assignment Special Paper &computer 4. Computer Practical 5. Annual Function 6. Art Exhibition
April	1. S.U.P.W. 2. Sports 3. Library 4. Community Work 5. EPC I,III 6. Action Research 7. Course wise Weekly Activity (Sat.)	1.Theory Classes 2. Criticism lesson 3. PPT Presentation work shop (sadan wise) 4. Preparation of Final lesson plan 5. Counselling/Interview session (sub. Wise) 6. Guest Lecture series 7. Submission of annual work done 8. PTM
May	1. Action Research Programme	1. Internal Exam 2. Computer Practical 3. Content based Test 4. Summative Exam 5. Farewell party

महाविद्यालयी सदन

M.Ed. (प्रथम वर्ष)	अरून्धती रॉय	B.Ed. (प्रथम वर्ष + द्वितीय वर्ष)	एम.सी. मैरीकॉम
M.Ed. (द्वितीय वर्ष)	महादेवी वर्मा	B.Sc. B.Ed (प्रथम वर्ष)	कल्पना चावला
B.Ed. (प्रथम वर्ष + द्वितीय वर्ष)	एनीबीसेन्ट	B.Sc. B.Ed (द्वितीय वर्ष)	अमृता प्रीतम
B.Ed. (प्रथम वर्ष + द्वितीय वर्ष)	सरोजनी नायडू	B.Sc. B.Ed (तृतीय वर्ष)	मैत्रेयी
B.Ed. (प्रथम वर्ष + द्वितीय वर्ष)	लक्ष्मी बाई	B.A. B. Ed. (प्रथम वर्ष)	सावित्री बाई फुले
B.Ed. (प्रथम वर्ष + द्वितीय वर्ष)	मदर टेरेसा	B.A. B. Ed. (द्वितीय वर्ष)	माणिकार्णिका
B.Ed. (प्रथम वर्ष + द्वितीय वर्ष)	सिस्टर निवेदिता	B.A. B. Ed. (तृतीय वर्ष)	गार्गी
B.Ed. (प्रथम वर्ष + द्वितीय वर्ष)	मल्लिका साराभाई	D.El.Ed. (प्रथम वर्ष)	विजय लक्ष्मी पंडित
B.Ed. (प्रथम वर्ष + द्वितीय वर्ष)	किरण बेदी	D.El.Ed. (द्वितीय वर्ष)	सुनीता विलियम्स
B.Ed. (प्रथम वर्ष + द्वितीय वर्ष)	पी.टी. उषा		

INTERNAL QUALITY ASSURANCE COMMITTEE(IQAC)
(IQAC)
QUALITY ENHANCEMENT PROGRAMME (FOR M.Ed)

RESEARCH ACTIVITY

- DR.MANJU JOSHI (convener) INNOVATION & RECORD MAINTAIN
  - EDU.INNOVATION COMMITTEE- DR HARPREET KAUR
  - PUBLICATION COMMITTEE-- DR BEENA JAIN

TUITORIAL ACTIVITY

- DR. RAGINI SAXENA (convener) MODULE CONSTRUCTION
  - EVALUATION- DR. MANJU KUMARI
  - TLM & IMPLEMENTATION- DR. SWATI PAREEK -

SKILL BASED ACTIVITY

- DR. UMA SINGH(CONVENER)PLANNING AND IMPLEMENTATION
  - EVALUATION AND RECORD--
  - DR. CHINMAY JAIN-

QUALITY ENHANCEMENT PROGRAMME (B.Ed/B.A-B.Ed/B.Sc.-B.Ed/B.S.T.C COURSE)

RESEARCH & INNOVATION COMMITTEE

- CONVENER-DR SATISH SAINI(RESEARCH WORK)
- CO-COVENER- DR LEENA SHARMA(PUBLICATION)
- DR MEENAKSHI SHARMA(EPC-4)
- DR USHA SHARMA(EPC -1)
- MR. PRADEEP TAK(EPC-2)
- DR. RABITA VAISHNAVI(LANGUAGE BASED)
- DR. VINITA SHARMA(LANGUAGE BASED)
- DR. JYOTSANA GAUR(EPC-3)
- SMT. REETU GUPTA(BSTC)

TUTORIAL/TLM COMMITTEE

- CONVENER, DR MADHU SHRIMAL(SCIENCE)
- CO-COVENER- SMT PRABHA SINGH (SCIENCE)
- DR RAJESH CHOUDHARY(PHYSICS, MATHS)
- DR CHANCHAL KHURANA(COM.)
- SMT. SHALINI CHAWLA(SOCIAL STU.)
- DR . SONU GAUR(LANGUAGE)
- SMT. NEELAM YADAV(COM.)
- DR. GAYRI CHOUTHARY(S.ST.)
- SMT. POOJA JAIN(SCIENCE)
- DR ANURADHA VERMA, SMT. REEMA VYAS(BSTC)

CO-CURRICULAR ACTIVITY/SKILL-BASED COMMITTEE-

- CONVENER-SMT ANJANA SHARMA(CULTRIAL)
- CO-COVENER- DR NEERU KALLA(SKILL ACTIVITY)
- SMT. JYOTI GAUTAM (ART AND CRAFT)
- DR. NAVEEN SHARMA(S.ST - TLM)
- DR. MRIDULA SHARMA(S.ST - TLM)
- SMT. SANGEETA SINGH(S.ST TLM EVALUATION)
- SMT. PRANJAL SHARMA(PHYSICAL &MENTAL FITNESS)
- SMT. GARIMA M., SMT KUCHIKA JAIN(BSTC)

CLUBS

- SCIENCE CLUB (SUNITA WILLIAMS) :- DR. JYOTSNA GAUR, DR. MANJU KUMARI
- ECO-FRIENDLY CLUB (AMRITA DEVI):- DR. UMA SINGH, SMT. PRABHA SINGH
- ART CLUB (SONAL MANSINGH):- DR. MEENAKSHI S., SMT. SANGEETA SINGH
- LANGUAGE CLUB (MAHADEVI VERMA):- DR. CHINMAY JAIN, DR. USHA SHARMA
- HUMAN SENSATION CLUB/GRIEVANCE/COUNSELLING (VIJAY LAXMI PANDIT):- DR. CHANCHAL KHURANA, DR SONU G.
- AANANDAM CLUB (LATA MANGESHKAR):- DR PBEENA JAIN, SMT. SHALINI CHAWLA,
- NSS/RED-RIBBON CLUB (SUDHA MURTHY):- SMT. PRANJAL S. / DR. SATISH SAINI
- STAFF/STUDENTS/PLACEMENT/ALUMNI-WELFARE CLUB (ARUNDHATI ROY)- DR. LEENA SHARMA, DR.SWATI PAREEK, SMT. REETU G.
- SASHAKT NARI CLUB (SAINA NEHWAL) :- DR NEERU KALLA, SMT. JYOTI GAUTAM

सुबोध रत्न

SNEHLATA SHARMA
M.Ed.-2017-19
Position I
Percentage –79.35%

POONAM UPADHYAY
M.Ed. -2018-20
Position I
Percentage- 80%

POONAM
M.Ed. 2019-21
Position I
Percentage –83.3 %

REENA SHARMA
B.Ed. 2017-19
Position I
Percentage –83.05%

RICHA SHARMA
B.Ed. 2018-20
Position I
Percentage –87.17%

JAIN HIMANSHI
B.Ed. 2019-21
Position I
Percentage –89.17%

SARITA BAIRWA
BSTC-2017-19
Position I
Percentage – 83.95%

NISHA JAIN
BSTC-2018-20
Position I
Percentage – 88.05%

BHANU SHARMA
BSTC-2019-21
Position I
Percentage – 90.87%

महाविद्यालय कार्यक्रम

1. सत्रारंभ समारोह (गणपति वंदना, माँ नागेश्वरी अर्चना) छात्रों को आचार संहिता से अवगत कराना।
2. दैनिक ईश वन्दना, भारत माँ की वन्दना, महान विभूतियों के अमूल्य वचनों, दैनिक समाचारों से अवगत कराना व राष्ट्रीयता की भावना का विकास।
3. शारीरिक कार्यक्रम एवं खेलकूद
4. साहित्यिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ (वाद-विवाद, आशु भाषण, परिचर्चा, परिसंवाद, निबन्ध प्रतियोगिता, शिक्षाविदों के द्वारा व्याख्यान माला)
5. परिचयात्मक गोष्ठी एवं प्रतिभा खोज / विषय वस्तु आधारित परीक्षा / इकाई परीक्षा
6. अध्यापक अभ्यास कार्यक्रम / इन्टर्नशिप
7. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् निर्धारित समस्त प्रायोगिक कार्यक्रम।
8. सांस्कृतिक एवं कलात्मक कार्यक्रम
9. समाजोपयोगी कार्यक्रम एवं श्रमदान (सभी सदनों के द्वारा)
10. प्रशिक्षणार्थियों में आध्यात्मिक और नैतिक जागृति हेतु शिविर
11. अन्तर्महाविद्यालय शैक्षिक संगोष्ठी, परिचर्चा का आयोजन एवं कार्यशाला का आयोजन।
12. शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करने के लिये कार्यशाला एवं प्रदर्शनी
13. निर्देशन एवं परामर्श (सदनानुसार)
14. उपचारात्मक अनुदेशन
15. ज्ञान और कौशल परीक्षण (TEQT)
16. एल्यूमिनाई मीट
17. वार्षिकोत्सव ''उत्कर्ष''
18. अन्तर्महाविद्यालय सांस्कृतिक एवं खोलकूद प्रतियोगीता ''आरोहरण''

COURSE WISE INCHARGE LIST

S. No.	Course	Incharge
1	M.Ed. I & II Sem	Dr. Renu Arora Dr. Manju Joshi
2	M.Ed. III & IV Sem	Dr. Swati Pareek Dr. Harpreet Kaur
3	B.Ed. I Year	Dr. Sonu Gaur Mrs. Shalini Chawla
4	B.Ed. II Year	Dr. Satish Chand Saini Mrs. Anjana Sharma
5	B.A.-B.Ed. I Year	Dr. Chinmay Jain Mrs. Sangeeta Singh
6	B.A.-B.Ed. II Year	Dr. Beena Jain Dr. Uma Singh
7	B.A.-B.Ed. III Year	Dr. Usha Sharma Mrs. Neelam Yadav

S.No.	Course	Incharge
8	B.Sc.-B.Ed. I Year	Dr. Leena Sharma Dr. Manju Kumari
9	B.Sc.-B.Ed. II Year	Dr. Madhu Shrimal Mrs. Ritu Gupta
10	B.Sc.-B.Ed. III Year	Dr. Ragini Saxena Mrs. Prabha Singh
11	D.El.Ed. I Year	Dr. Naveen K. Sharma Mrs. Rekha Vyas
12	D.El.Ed. II Year	Mrs. Ruchika Jain Mrs. Garima Mishra
13	Activities	Dr. Babita Vaishnav Dr. Chanchal Khurana Mr. Pradeep Tank
14	Beautification	Dr. Neeru Kalla Mrs. Jyoti Gautam

सेवापूर्व शिक्षक प्रशिक्षण

B.S.T.C. (D.El. Ed)

पाठ्यक्रम (प्रथम वर्ष)

1. बच्चे और बचपन
2. शिक्षा के उद्देश्य, ज्ञान और पाठ्यचर्या
3. भारतीय समाज और शिक्षा
4. भाषा, संज्ञान और समाज : पाठ्यचर्या के संदर्भो में
5. हिन्दी भाषा – शिक्षण और प्रवीणता
6. अंग्रेजी भाषा – शिक्षण और प्रवीणता
7. गणित शिक्षण
8. पर्यावरण अध्ययन शिक्षण
9. कला शिक्षण
10. सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी (ICT)

पाठ्यक्रम (द्वितीय वर्ष)

1. बच्चे और सीखना
2. विद्यालयी संस्कृति, प्रबंधन और शिक्षक
3. आधुनिक विश्व में विद्यालयी शिक्षा
4. हिन्दी भाषा – शिक्षण और प्रवीणता
5. अंग्रेजी भाषा – शिक्षण और प्रवीणता
6. गणित शिक्षण
7. तृतीय भाषा – संस्कृत/उर्दू/पंजाबी/सिंधी/गुजराती
8. स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षण
9. सामाजिक विज्ञान शिक्षण / विज्ञान शिक्षण

B.Sc - B.Ed (Part I)

01 General English (Compulsory Paper)*
02 Childhood and Growing UP (Compulsory Paper)
03 Contemporary India and Education (Compulsory Paper)
04 Instructional System and Educational Evaluation (Group-A)
05 Optional Paper (Group-B)
I Chemistry II Botany III Zoology
IV Physics V Mathematics

B.Sc - B.Ed (Part II)

01 General Hindi (Compulsory Paper)*
02 Knowledge and Curriculum (Compulsory Paper)
03 Peace Education (Compulsory Paper)
04 Learning and Teaching (Compulsory Paper)
05 Optional Paper
I Chemistry II Botany III Zoology
IV Physics V Mathematics

B.Sc - B.Ed (Part III)

01 ICT (Compulsory Paper)*
02 Language Across the Curriculum (Compulsory Paper)
03 Guidance and Counselling in School (Compulsory Paper)
04 Pedagogy of School Subject (Compulsory Paper)
05 Optional Paper
I Chemistry II Botany III Zoology
IV Physics V Mathematics

B.A. - B.Ed (Part I)

01 General English (Compulsory Paper)*
02 Childhood and Growing UP (Compulsory Paper)
03 Contemporary India and Education (Compulsory Paper)
04 Instructional System and Educational Evaluation (Group-A)
05 Optional Paper (Group-B)
I Hindi Literature II Sanskrit Literature III English Literature
IV History V Pol. Science VI Pub. Adm.
VII Economics VIII Sociology IX Home Science
X Geography XI Drawing & Painting XII Music

B.A. - B.Ed (Part II)

01 General English (Compulsory Paper)*
02 Knowledge and Curriculum (Compulsory Paper)
03 Peace Education (Compulsory Paper)
04 Learning and Teaching (Compulsory Paper)
05 Optional Paper

I	Hindi Literature	II	Sanskrit Literature	III	English Literature
IV	History	V	Pol. Science	VI	Pub. Adm.
VII	Economics	VIII	Sociology	IX	Home Science
X	Geography	XI	Drawing & Painting	XII	Music

B.A. - B.Ed (Part III)

01 ICT (Compulsory Paper)*
02 Language Across the Curriculum (Compulsory Paper)
03 Guidance and Counselling in School (Compulsory Paper)
04 Pedagogy of School Subject (Compulsory Paper)
05 Optional Paper

I	Hindi Literature	II	Sanskrit Literature	III	English Literature
IV	History	V	Pol. Science	VI	Pub. Adm.
VII	Economics	VIII	Sociology	IX	Home Science
X	Geography	XI	Drawing & Painting	XII	Music

B.Ed (प्रथम वर्ष)

1. **B.Ed.-01** बाल्यावस्था एवं विकास प्रक्रिया
   Childhood and Growing Up
2. **B.Ed.-02** समकालीन भारत एवं शिक्षा
   Contemporary India and Education
3. **B.Ed.-03** अधिगम एवं शिक्षण
   Learning and Teaching
4. **B.Ed.-04** पाठ्यक्रम के पार भाषा
   Language Across the Curriculum
5. **B.Ed.-05** संकाय एवं विषयों की समझ
   Understanding Disciplines and Subject
6. **B.Ed.-06 (a)** ज्ञान एवं पाठ्यक्रम (भाग -I)
   Knowledge and Curriculum (Part-I)
7. विद्यालयी विषयों का शिक्षण शास्त्र (Part I & II)
   Padagogy of a School Subject

1. Hindi	हिन्दी	11. Biology	जीव विज्ञान
2. Sanskrit	संस्कृत	12. General Science	सा. विज्ञान
3. English	अंग्रेजी	13. Home Science	गृह विज्ञान
4. History	इतिहास	14. Commerce Practice	वाणिज्य शिक्षण
5. Economics	अर्थशास्त्र	15. Book Keeping & Accountancy	पुस्तपालन एवं लेखाशास्त्र
6. Civics	ना. शास्त्र	16. Music	संगीत
7. Social Studies	सा. ज्ञान	17. Urdu	उर्दू
8. Mathematics	गणित	18. Drawing & Painting	चित्रकला
9. Physics	भौतिक विज्ञान		
10. Chemistry	रसायन विज्ञान		

EPC - I = Reading and Reflecting on Texts (Tasks and Assignment for Courses)
पठन एवं पाठों का प्रतिबिम्बन
EPC - 2 = Drama and art in education
शिक्षा में नाटक एवं कला

B.Ed (द्वितीय वर्ष)

1. **B.Ed.-06 (b)** ज्ञान एवं पाठ्यक्रम (भाग -II)
   Knowledge and Curriculum (Part-2)
2. **B.Ed.-07** विद्यालयी विषयों का शिक्षण शास्त्र
   Contemporary India and Education
3. **B.Ed.-08** लिंग, विद्यालय और समाज
   Gender School and Society
4. **B.Ed.-09** अधिगम के लिए आकलन
   Assessment for Learning
5. **B.Ed.-10** समावेशी विद्यालय का सृजन
   Creating and inclusive School
6. **B.Ed.-11** **Optional Special Courses (any one)**
   1. Peace Education — शान्ति शिक्षा
   2. Physical Education and Yoga — शारीरिक शिक्षा एवं योग
   3. Guidance and Counselling — निर्देशन एवं परामर्श
   4. Health and Physical Education — स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा
   5. Environmental Education — पर्यावरण शिक्षा

EPC - 3 = Critical Understanding of ICT सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी की समीक्षात्मक समझ
EPC - 4 = Understanding the Self स्वयं की समझ

7. **B.Ed.-12** **Open Air/SUPW Camp**

M.Ed - Semester -I

1- M.Ed.-01 Psychology of Learning and Development
2. M.Ed.-02 Historical, Political and Economical Perspective
3. M.Ed.-03 Educational Studies
4. M.Ed.-04 Introduction to Research Methods Course Work

Semester -II

M.Ed.-05 Philosophy of Education
M.Ed.-06 Sociology of Education
M.Ed.-07 Curriculum Studies
M.Ed.-08 Teacher Education-I
ISB-I Part-I = Review of Related Literature on any area of Education Research
Part-II = Self Development Programme (any two)
1. Personality Development 6. Managerial Skills
2. Communication Skills 7. Research Skills
3. Creative Writing Skills 8. Analytical Skills
4. Decision Writing Skills 9. Time Management
5. Interpersonal Skills

Semester -III

M.Ed.-09 Specialization on courses (any one) (Elementary)
(i) Pedagogy of Science Education-I
(ii) Pedagogy of Mathematics Education-I
(iii) Pedagogy of Language Education-I
(iv) Pedagogy of Social Science Education-I
M.Ed.-10 Specialization on Courses (any one)
1. Guidance and Counselling - I
2. Curriculum Pedagogy and assessment-I
3. Education Policy, Economics and Planning-I
4. Education Management, Administration and Leadership-I
5. Education Technology-I
6. Theme based on Institutional Strengths (any one)
(a) Life Long Education - I
(b) Value Education and Human Rights-I
(c) Peace Education-I
(d) Yoga Education- I
(e) Inclusive Education - I
M.Ed- 11 Adcanced Research Methods
M.Ed-12 Teacher Education-2
M.Ed-13 Internship (Practicum work with B.Ed. Students)
ISB-II Course of Professional Development
A. Dissertation work
B. Internship in TEI

Semester -IV

1. M.Ed.-14 Specialization on Courses (any one) Secondary
(i) Pedagogy of Science Education-II
(ii) Pedagogy of Mathematics Education-II
(iii) Pedagogy of Language Education-II
(iv) Pedagogy of Social Science Education-II
M.Ed-15 Specialization on Courses (any one)
(i) Guidance and Counseling -II
(ii) Curriculum Pedagogy and assessment -II
(iii) Education Policy, Economics and Planning-II
(iv) Education Management Administration and Leadership-II
(v) Education Technology-II
(vi) Education Management Administration and Leadership-II
(vii) Education Technology-II
(viii) Theme based on Institutional Strengths (any one)
(a) Life Long Education - II
(b) Value Education and Human Rights-II
(c) Peace Education-II
(d) Yoga Education-II
(e) Inclusive Education-II
M.Ed-16 Dissertation
ISB-III A. Dissertation (2 Credits)
B. Academic writing (2 Credits)

Name of the Executive Members of S.S. Jain Subodh Shiksha Samiti, Jaipur (From 18-10-2021)

क्र.सं.	नाम	पदनाम / संस्था के संयोजक/संयोजिका
1	श्री नवरत्न जी कोठारी	अध्यक्ष
2	श्री रमेश चंद जी जैन (सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)	उपाध्यक्ष सुबोध मैनेजमेन्ट इन्स्टीट्यूट, मानसरोवर
3	श्री सुमेर सिंह जी बोथरा	मानद् मंत्री
4	श्री विनोद कुमार लोढ़ा जी	सहमंत्री सुबोध एम.सी.ए. इन्स्टीट्यूट, रामबाग सर्किल
5	श्री जे.के. रांका जी (सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति, राज.उ. न्यायालय)	सदस्य
6	श्री अनिल कुमार जी गोखरु	1. सुबोध पी.जी. महाविद्यालय, रामबाग सर्किल 2. सुबोध कॉमर्स एण्ड आर्टस कॉलेज, रामबाग सर्किल
7	श्री आलोक कुमार जी बम्ब	1. सुबोध उ.मा. विद्यालय, बापू बाजार
8	डॉ. राकेश जी हीरावत	1. सुबोध पब्लिक स्कूल, सांगानेर
9	श्री संजीव जी कोठारी	1. सुबोध लॉ कॉलेज, मानसरोवर 2. सुबोध बॉयज हॉस्टल, मानसरोवर 3. सुबोध ऑडिटोरियम, मानसरोवर
10	श्री विनय चंद जी डागा	1 सुबोध पी.जी. महिला महाविद्यालय, रामबाग सर्किल 2 भवन निर्माण समिति व केन्द्रीय क्रय समिति
11	श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन	1. सुबोध पब्लिक स्कूल, रामबाग सर्किल
12	श्री जितेन्द्र जी पटवा	1. सुबोध बालिका उ.मा. विद्यालय, सांगानेरी गेट 2. स्व. श्री सिरहमल बम्ब स्मृति उद्योगशाला
13	श्रीमती मधु जी मोदी	1. सुबोध महिला बी.एड. महाविद्यालय, सांगानेर
14	श्रीमती वीना जी जामड़	1. सुबोध गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, सांगानेर 2. सुबोध महिला छात्रावास, सांगानेर 3. सुबोध वीमेन्स हॉस्टल, सांगानेर
15	श्री प्रमोद जी दरड़ा	1. सुबोध कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेंस, सीतापुरा

Name of the C.M.C. Members of S.S. Jain Subodh Mahila Shikshak Prashikhan Mahavidyalaya, Jaipur

क्र. सं.	नाम	पद
1	श्रीमती मधु मोदी	संयोजिका
2	श्री नवरत्न कोठारी	अध्यक्ष
3	श्री आर.सी.जैन	उपाध्यक्ष
4	श्री सुमेर सिंह बोथरा	मानद् मंत्री
5	श्री विनोद लोढा	सह—मंत्री
6	डॉ.राकेश हीरावत	सदस्य
7	श्रीमती वीणा जामड	सदस्या
8	श्रीमती अनिता कोठारी	सदस्या
9	श्रीमती रेणु रांका	सदस्या
10	श्रीमती करूणा भण्डारी	सदस्या
11	श्रीमती लविना दासोत	सदस्या
12	श्रीमती राज महनोत	सदस्या
13	श्रीमती मधु पोखरना	सदस्या
14	डॉ. राजेश पूनिया	विश्वविद्यालय प्रतिनिधि
15	श्री वसीम अकरम कुरैशी	अभिभावक प्रतिनिधि
16	डॉ.रीटा जैन	प्राचार्या
17	डॉ. (श्रीमती) यदु शर्मा	प्राचार्या
18	श्रीमती शालिनी चावला	स्टाफ प्रतिनिधि

सुबोध शताब्दी गीत

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2
जब शिक्षा की कहीं बात चले तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा
माध्व मुनि की प्रेरणा से, शुरु हुआ ये सवेरा
ये सुबोध संस्थान हमारा

1. इक संस्था से शुरु हुआ सफर कई संस्थाओं पर पहुँचा
सुबोध.....4
पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण, हर ओर हुआ उजियारा,
चहुँ ओर हुआ उजियारा
अज्ञानता का तिमिर मिटाकर ज्ञान का दीप जलाया
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध.....2

2. नर्सरी कक्षा से उच्च शिक्षा दे संस्थान हमारा
सुबोध.....4
जहाँ विशिष्ट शिक्षाविद् बहाते, ज्ञान की पावन धारा
ये ज्ञान की पावन धारा
यहाँ हजारो बच्चे शिक्षा पाते, ज्ञान का मन्दिर प्यारा
मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...2

3. नैतिकता और राष्ट्रधर्म का जिसने बोध कराया।
सुबोध.....2
शिक्षा में सौ वर्षो का, स्वर्णिम इतिहास बनाया
स्वर्णिम इतिहास बनाया

कहे राजा सदा फले और फूले ये संस्थान हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा

मेरी आन सुबोध, मेरी शान सुबोध...
जब शिक्षा की कहीं बात चलें तो, आये नाम हमारा
ये सुबोध संस्थान हमारा, ये प्यारा सुबोध हमारा